Title: Need to provide telephone connections and telecommunication facilities at Rajouri and border areas of Jammu and Kashmir.

वैद्य विष्णु दत्त (जम्मू): सभापति महोदय, जम्मू और कश्मीर की सीमा का बहुत सा हिस्सा पाकिस्तान के साथ लगता है। उनके राजौरी और सीमा प्रांत के सारे क्षेत्र अत्यन्त पहाड़ी हैं। वहां आबादी बहुत गिजली-बिजली है, उग्रवादियों की वहां संख्या आबाद है।

... (व्यवधान)

वैसे भी दुर्घटना हो जाने के बाद स्थिति यह है कि संचार के साधन न होने के कारण और सड़कें न होने के कारण दुर्घटना की सूचना राज्य या पुलिस थाने तक दूसरे-तीसरे दिन पहुंचती है। इसलिए मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि उन क्षेत्रों में टेलीफोन और संचार के दूसरे साधन और रास्ते बनाकर लोगों को इस मुश्किल और उग्रवाद से बचाने के लिए तुरंत कार्यवाही की जाए। सारे क्षेत्र में अधिकतम टेलीफोन कनैक्शन दिए जाएं और टेलीफोन एक्सचेंज बनाए जाएं।